Total No. of Printed Pages—4

1 SEM TDC GEHN (CBCS) GE 1

2021

(March)

HINDI

(Generic Elective)

Paper : GE–1

(आधुनिक भारतीय कविता)

Full Marks : 80

Pass Marks : 32

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) 'धनशिरी के लिए दो स्तबक' कविता के कवि कौन हैं?

(ख) काजी नज़रूल इस्लाम ने अपना जीवन लोक-संगीत और लोक-नाटक के किस दल से शुरू किया था?

(ग) फ़िराक गोरखपुरी के पिता का नाम क्या है?

(घ) श्रीधर भास्कर वर्णेकर की कौन-सी कविता पाठ्यक्रम में दी गई है?

(ङ) सुब्रह्मण्य भारती मूलतः किस भाषा के कवि हैं?

(च) 'वर दे इतना' कविता के कवि का नाम क्या है?

(छ) ज़िन्दा कौल ने 'घर जाओ' कविता में घर जाने का आह्वान क्यों किया है?

(ज) कवि चंद्रकांता की दृष्टि में जीने के लिए क्या चाहिए?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×4=16

(क) मरुभूमि के सूर्य के लिए
मृत्यु के अर्थ और जीवन की सारहीनता के लिए।
—भाव स्पष्ट कीजिए।

(ख) रवीन्द्रनाथ ठाकुर कृत 'शंख' कविता का प्रतिपाद्य संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए।

(ग) ग़ालिब के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'पत्र मंजूषा' कविता में कवि क्या कहना चाहते हैं? संक्षेप में लिखिए।

3. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2=16

(क) ''महङ नमक है नमकीन खून से
मरङी का लाल रूमाल क्या पोंछ सकेगा उसे?
गुड़ जुटाने वाले उन गाँवों में
राज-सौदागर अब कलों में पेराई करते इंसानों की।
ज्यादा कसो मत ढोलों की डोरियों को,
जुट जायेंगी
रखो ज़रा ढीली है''

अथवा

तुममें ही है सकल धर्म, सकल युगावतार
    तुम्हारे ही हृदय में हैं, सब देव, सारे विश्व-संसार।
क्यों खोजते फिरते हो देवता-ठाकुर मृत पोथी के कंकाल में?
हँसते हैं वे अमृत हृदय के निभृत अंतराल में।

(ख) मैं वहाँ जाना चाहता हूँ।
जहाँ सबका ईश्वर में अटूट विश्वास है।
एक ही परमपिता सबका सर्वस्व।
जहाँ प्रेत, परियाँ और दूषित आत्माएँ
मनुष्य के मस्तिष्क पर न छायी हो
जहाँ प्रेम, सेवा और सद्भाव
जीवन के सुगम और सर्वोच्च नियम हो,

अथवा

झूमने लगे फल,
रस अलौकिक,
अमृत धाराएँ फूटतीं।
रोपाई क्षण की,
कटाई अनंतता की
लूटते रहने से ज़रा भी नहीं कम होती।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) नीलमणि फुकन कृत 'कविता' नामक कविता का सारांश लिखिए।

(ख) काजी नज़रूल इस्लाम के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'न्याय देवता' कविता के काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

(घ) कवि 'भूमि पर आए नव शताब्द हे' कविता के माध्यम से क्या संदेश देना चाहते हैं? विस्तारपूर्वक लिखिए।

(ङ) ढोल समाज के किस सत्य को उजागर करती है? विस्तारपूर्वक लिखिए।

(च) 'निष्कासितों की बस्ती में' कविता के माध्यम से कवि के प्रकृति के प्रति लगाव को अपने शब्दों में उल्लेख कीजिए।

★ ★ ★